

फर्द अहकाम

क्र. सं.	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
22/3/44		<p>पत्रावली वास्ते आदेश पेश हुई है। प्राची ने यह प्रार्थन पत्र दावा वास्तु स्थानी निषेधकार के साथ पेश की। प्रार्थन पत्र के चरण संख्या - (2) में अंकित भूमि वाद शस्त्र में अप्राचीयता को आस्थापी निषेधकार से जाँच करवाने की प्रार्थन की है।</p> <p>पत्रावली या उपलब्ध रिक्तों में प्रार्थन संख्या (2) में स्पष्ट अंकित है कि प्राची एवं अप्राची (1) व (2) सहस्यतेदार काशतका है।</p> <p>किच का दुरुस्थापित सिद्धांत है कि एक सहस्यतेदार दूसरे सहस्यतेदार को निषेधकार से जाँच करवा सकता है। प्राची ने दावा पेश यह प्रार्थन पत्र सहस्यतेदारों के विरुद्ध पेश किया है इसलिए यह प्रार्थन का प्रेसगीय नहीं है।</p>

दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
	<p>उपलब्ध आस्थापी चक्र प्र. अनुपु (सा) 102 रामफुल बनाम कल्याण</p>	
	संख्या / वर्ष : 190 / 20 20	
	<p>प्रार्थन पत्र आस्थापी निषेधकार स्वीकार किया जाता है।</p> <p>पत्रावली फुल्ल शुभा होकर दर्ज नम्बर से भ्रम है।</p>	
		<p>36</p> <p>उपर्युक्त अधिकारी समय-विधि से (1/4/44)</p>

उपर्युक्त अधिकारी  
समय-विधि से (1/4/44)